पंजाब केसरी
TUE,19 MAY 2026
EDITION: HIMACHAL , PAGE NO. 4

ए.आई. आधारित शिक्षा के लिए हिमाचल स्कूल शिक्षा बोर्ड तैयार

■ सरकार की मंजूरी के बाद छठी कक्षा से शुरू होगी पढ़ाई

धर्मशाला, 18 मई (सुनील): हिमाचल प्रदेश के सरकारी स्कूलों में अब छठी कक्षा से ही बच्चे कृत्रिम बुद्धिमत्ता की पढ़ाई करेंगे। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने इस आधुनिक तकनीक को स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल करने की दिशा में कदम बढ़ा दिए हैं।

इसके लिए बोर्ड ने कंप्यूटर क्षेत्र की एक निजी कंपनी के साथ मिलकर शुरूआती सिलेबस का खाका तैयार कर लिया है, ताकि विद्यार्थी शुरूआती स्तर से ही डिजिटल युग की जरूरतों को समझ सकें। इस नए पाठ्यक्रम को अंतिम रूप देने से पहले शिक्षा बोर्ड पूरी सावधानी बरत रहा है। इसके लिए कॉलेजों, केंद्रीय विश्वविद्यालयों और स्कूलों के अनुभवी शिक्षकों तथा विशेषज्ञों से सुझाव लिए जा रहे हैं, ताकि बच्चों की उम्र के हिसाब से सही और व्यावहारिक पाठ्यक्रम तैयार किया जा सके।

बोर्ड इस पूरी चर्चा के आधार पर एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर राज्य सरकार को भेजेगा। सरकार की मंजूरी मिलने के बाद ही इसे स्कूलों में वैकल्पिक विषय के रूप में शुरू किया जाएगा, जिससे कंप्यूटर और तकनीक में रुचि रखने वाले छात्रों को स्कूल में ही यह सुविधा मिल सके।

हमारा लक्ष्य हिमाचल के बच्चों को भविष्य की तकनीक के लिए तैयार करना है। इसके लिए छठी कक्षा से ए.आई. की पढ़ाई शुरू करने की योजना बनाई गई है। इसके सिलेबस को लेकर कंप्यूटर क्षेत्र की एक निजी कंपनी के साथ कार्यशाला (वर्कशॉप) भी हो चुकी है और अब कॉलेज व यूनिवर्सिटी के प्रोफैसरों की राय ली जा रही है। इसकी पूरी रिपोर्ट सरकार को भेजी जाएगी और मंजूरी मिलते ही इसे स्कूलों में शुरू कर दिया जाएगा।

– डॉ. राजेश शर्मा, अध्यक्ष, स्कूल शिक्षा बोर्ड, धर्मशाला।

Amar Ujala 19-05-2026

बोर्ड की अनुपूरक परीक्षाओं के लिए प्रश्नपत्रों की मांग भेजने के निर्देश

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने 5वीं और 8वीं कक्षाओं के रोके गए परीक्षार्थियों की अनुपूरक परीक्षाओं से संबंधित प्रश्नपत्रों के लिए आवेदन मांगे हैं।

इस संदर्भ में शिक्षा बोर्ड ने प्रदेश के समस्त उपनिदेशक शिक्षा एलिमेंटरी को पत्र लिखा है। शिक्षा बोर्ड के सचिव डॉ. मेजर विशाल शर्मा ने बताया कि सभी स्कूलों के सत्र 2025-26 में 5वीं और 8वीं कक्षाओं के रोके परीक्षार्थियों की अनुपूरक परीक्षाएं जून में होंगी।

सभी उपनिदेशक प्रारंभिक शिक्षा को 20 मई तक ईमेल से प्रश्नपत्रों की मांग करने को कहा है। ब्यूरो

Amar Ujala

एसओएस का शेड्यूल संशोधित अब 28 मई तक करें आवेदन

निर्धारित तिथि के बाद 2000 रुपये शुल्क

अमर उजाला ब्यूरो

8वीं, 10वीं और 12वीं की एसओएस परीक्षाओं के लिए आवेदन तिथियों में बदलाव

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने राज्य मुक्त विद्यालय (एसओएस) के तहत सितंबर 2026 में आयोजित होने वाली आठवीं, दसवीं और बारहवीं कक्षा की परीक्षाओं के लिए जारी शेड्यूल में संशोधन किया है। संशोधित कार्यक्रम के अनुसार अब अभ्यर्थी 28 मई तक बिना लेट फीस के ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे।

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के सचिव डॉ. मेजर विशाल शर्मा ने बताया कि 28 मई तक आवेदन करने पर किसी प्रकार की अतिरिक्त फीस नहीं देनी होगी। इसके बाद 29 मई से 24 जून तक आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों को 1000 रुपये लेट फीस देनी होगी। वहीं 25 जून से 13 जुलाई तक आवेदन करने पर 2000 रुपये लेट फीस के साथ परीक्षा फॉर्म भरा जा सकेगा। बोर्ड ने विभिन्न श्रेणियों के लिए अलग-अलग परीक्षा शुल्क निर्धारित किए हैं। फ्रेश एडमिशन (सीधे) के तहत आठवीं कक्षा के लिए 2400, दसवीं के लिए 3000 और बारहवीं के लिए 2900 रुपये शुल्क है।

फ्रेश एडमिशन (टीओसी और री-एडमिशन) श्रेणी में आठवीं के लिए 2600, दसवीं के लिए 2900 और बारहवीं कक्षा के लिए 2800 रुपये फीस निर्धारित की गई है।

वहीं री-अपीयर परीक्षा के लिए 8वीं से 800, 10वीं से 1000 और 12वीं के अभ्यर्थियों से 800 रुपये शुल्क लिया जाएगा। अंक सुधार और अतिरिक्त विषय की परीक्षा के लिए 1000 रुपये शुल्क देना होगा।

Divya Himachal 19-05-2026

एसओएस परीक्षाओं को बिना लेट फीस आवेदन 28 तक

सिटी रिपोर्टर – धर्मशाला

- शिक्षा बोर्ड ने जारी किया संशोधित शेड्यूल

प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने हिमाचल प्रदेश राज्य मुक्त विद्यालय (एसओएस) के तहत सितंबर में आयोजित होने वाली आठवीं, दसवीं और बारहवीं कक्षा की परीक्षाओं के लिए ऑनलाइन पंजीकरण और प्रवेश फार्म जमा करने की तिथियों में संशोधन किया है। बोर्ड सचिव डा. मेजर विशाल शर्मा ने बताया कि यह संशोधित शेड्यूल फ्रेश एडमिशन, टीओसी के साथ प्रवेश, अतिरिक्त विषय तथा विशेष अंक सुधार परीक्षा के अभ्यर्थियों पर लागू होगा। बिना लेट फीस आवेदन 28 मई तक किए जा सकेंगे। 29 मई से 24 जून तक एक हजार रुपए लेट फीस के साथ आवेदन स्वीकार किए जाएंगे। 25 जून से 13 जुलाई तक दो हजार रुपए लेट फीस के साथ ऑनलाइन फार्म जमा किए जा सकेंगे। बोर्ड द्वारा यह भी स्पष्ट किया गया है कि एसओएस के तहत री-अपीयर और एक वर्ष के भीतर सुधार परीक्षा का शेड्यूल अलग से जारी किया जाएगा। बोर्ड ने प्रदेश भर के सभी एसओएस अध्ययन केंद्रों को निर्देश दिए हैं कि वे सितंबर 2026 सत्र के लिए जारी संशोधित नियमों, अपडेटेड निर्देशों और नए प्रॉस्पेक्टस का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें।